गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 37 | गोरखपुर रविवार 02 मार्च 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

योगी सरकार ने बागपत और कासगंज में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को दी हरी झंडी

⇨ हाथरस में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज और बलरामपुर में केजीएमयू के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में किया जाएगा स्थापित

⇨ हाथरस, बागपत एवं कासगंज में वॉयबिलिटी गैप फंडिंग के तहत पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज के संचालन को लेकर न्यूनतम निविदादाता के प्रस्ताव को भी दी गई मंजूरी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज (ओडीओएम) के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार ने इस दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा बागपत और कासगंज में नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिससे इन जनपदों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही हाथरस में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया को भी हरी झंडी दी गई है। इसके अलावा बलरामपुर में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने की योजना को भी स्वीकृति दी गई है।

वॉयबिलिटी गैप फंडिंग से होगा मेडिकल कॉलेज का निर्माण

सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार का संकल्प है कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। इसी दिशा में बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना बड़ा कदम है। योगी सरकार ने इन परियोजनाओं को वॉयबिलिटी गैप फंडिंग के तहत मंजूरी दी है, जिससे सरकारी और निजी साझेदारी (पीपीपी मोड) के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार सीएम योगी की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को भी नया आयाम मिलेगा। विगत दिनों हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश की ओर हमारा यह मजबूत कदम है, जहां हर व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। सीएम ने अधिकारियों को समय से नए मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम पूरा करने के निर्देश दिये।

माणा कैंप के पास भारी हिमस्खलन में दबे 57 मजदूर

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बीच शुक्रवार को भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के पास भारी हिमस्खलन हुआ है। इस दौरान वहां निर्माण कार्य में लगे 57 मजदूर बर्फ में दब गए। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि अब तक 15 मजदूरों को निकाल लिया गया है। अन्य की तलाश जारी है। क्षेत्र में मौसम खराब होने के चलते संचार सेवा ठप पड़ी है। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि माणा और माणा पास के बीच हिमस्खलन होने से मजदूरों के दबने की सूचना है। एयर फोर्स से मदद मांगी जा रही है। सेना, आईटीबीपी रेस्क्यू में लगी है। एनडीआरएफ की टीम को भी मूव कर दिया गया है। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी, औली, गोरसों के साथ ही नीती और माणा घाटियों में तीन दिन से बर्फबारी हो रही है। जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फ जमा हो गई है। जनपद चमोली में माणा गांव के निकट BRO द्वारा संचालित निर्माण कार्य के दौरान हिमस्खलन की वजह से कई मजदूरों के दबने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

आईटी कंपनी के कर्मचारी ने की लाइव आत्महत्या

⇨ गले में फंदा बांधकर जान देने से पहले रिकॉर्ड किया वीडियो

संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी द्वारा कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के कारण 7 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मानव शर्मा के रूप में हुई है और वह सदर इलाके में डिफेंस कॉलोनी का निवासी था। वह कथित तौर पर एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में भर्ती प्रबंधक के रूप में कार्यरत था। 24 फरवरी को मानव ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पीड़ित के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस घटना की तुलना हाल ही में बेंगलुरु में अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले से की जा रही है। शर्मा 24 फरवरी को अपने घर में लटके हुए पाए गए थे। मरने से पहले उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसके गले में फंदा पंखे से बंधा हुआ दिखाई दे रहा था।

सम्पादकीय...

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चैंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतरूस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है।

राशिफल

मेषः- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभः- स्वयं पर भरेासा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अथार्भाववश चिंता संभव।

मिथुनः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्कः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुलाः- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनुः- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकरः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा।

रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीनः- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

नई राजनीति की जरूरत, पुराने चेहरों का बोझ

अरविन्द मोहन

आखिरकार निशांत कुमार का बयान भी आ गया कि एनडीए को चाहिए कि नीतीश को कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने की घोषणा कर दे। निशांत माने नीतीश कुमार के पुत्र। पहली बार सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देकर उन्होंने कई तरह के संकेत दिए। निश्चित रूप से पहला संकेत तो राजनीति में आने का है। बीते बीस साल से मुख्यमंत्री के संग रहने और अकेली संतान होने के चलते सारा लाड़-प्यार पाने के बावजूद अभी तक उनके किसी आचरण को लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं थी। बल्कि वे इतने शांत और सावधान तरीके से रहते थे कि काफी सारे राजनैतिक पंडित उनके सामान्य होने पर ही शक करते थे। अब अगर वे बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद और पचास साल की उम्र में और पार्टी तथा समाज के अनेक पक्षों से बार-बार की जा रही मांग के बाद सक्रिय होने का फैसला करते हैं तो उन्हें शुभकामना दी जा सकती है। अपनी स्वर्गवासी मां के जन्मदिन पर आयोजित किसी कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही और जदयू का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की बात भी कही। यह संयोग है कि उनका कहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने बिहार दौरे में नीतीश जी को श्राड़ला मुख्यमंत्रीश बताने के दो दिन बाद ही हुआ। प्रधानमंत्री ने इस दौरे के साथ ही भाजपा और एनडीए के चुनाव अभियान का शंखनाद भी कर दिया। इसमें की लोगों को पांच साल पहले बीच कोरोना में हजारों रंगीन टीवी सेट के माध्यम से बिहार में आनलाइन शंखनाद करने वाला प्रसंग भी याद आया क्योंकि प्रधानमंत्री ने एक साथ बिहार के सारे कोनों को छू लिया था। उन्होंने नीतीश जी को आगे रखकर चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की। शायद उनके पास ऐसा कोई और नाम है भी नहीं। लेकिन बीते साल भर में एनडीए और भाजपा की तरफ से यह कहा जाता रहा है। कमाल यह है कि इसके बावजूद निशांत कुमार को यह बात दोहराने की जरूरत हुई। बीते दो-तीन महीनों में विपक्षी राजद की तरफ से नीतीश कुमार के एक बार फिर से पाला बदलने की बात उछाली जा रही है और लालू प्रसाद यादव ने अब भी नीतीश का स्वागत करने की बात भी चला दी है। खुद नीतीश कुमार भी इस सवाल पर अपने ही आचरणों से संदेह गहरा रहे हैं। दिल्ली के अपने दो दौरों में उन्होंने भाजपा के किसी नेता से भेंट नहीं की या भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उन्हें समय न दिया। वे दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण में भी नहीं ये जबकि एनडीए के बाकी सभी मुख्यमंत्री ये। उससे भी ज्यादा चर्चा उनकी पार्टी के दो बड़े नेताओं का दिल्ली आकर पूरी तरह भाजपा के रंग में रंगना है और इसे ही राजनैतिक पंडित नीतीश कुमार की घेराबंदी बताते हैं। नीतीश बिहार में भी भाजपा के एक गुट के व्यवहार को लेकर बहुत प्रसन्न नहीं रहते। यह समूह भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने की वकालत भी करता है। यह अटकल भी लगती है कि चुनाव तक भाजपा उनको आगे रखकर बाद में कोई और पद या जिम्मा दे देगी। नीतीश और उनके समर्थक यह नहीं चाहते। अब जाने अनजाने भाजपा का समर्थन आधार बढ़ता गया है लेकिन अगड़ों को छोड़कर कोई और सामाजिक समूह पक्काा समर्थक नहीं है-बीच के प्रयास नीतीश मामले में हां-ना के चक्कर में खिसक गया है। इसलिए निशांत के बयान का एक तीसरा मतलब भाजपा के संग अपनी पार्टी के अगड़े नेताओं के लिए भी है जिनकी भाजपा से नजदीकी जगजाहिर है। यही लोग नीतीश कुमार के पाला

बदलकर भाजपा के संग आने का माध्यम भी बने थे और अभी दिल्ली में जमे हैं। भाजपा को भी इस बयान का मतलब यह निकालना चाहिए कि नीतीश कुमार ललन सिंह, विजय चैधरी और संजय झा जैसों के समांतर किसी अपने और ज्यादा भरोसेमंद को खड़ा करना चाहते हैं। निशांत पिता की इच्छा देखकर ही पंख फैलाना शुरू कर रहे हैं। इस क्रम में आईएएस रामचन्द्र प्रसाद सिंह का प्रसंग याद करना चाहिए जो ज्यादा पंख फैलाकर झुलस चुके हैं। जब वे नीतीश जी के साथ थे तो बिना राजनैतिक पृष्ठभूमि के भी सबसे भरोसेमंद थे। दूसरी ओर, कांग्रेस और राजद के रिश्ते एनडीए के घटकों से भी ज्यादा खराब हैं। हरियाणा का चुनाव हारने के बाद तो अखिलेश और तेजस्वी का रुख भी बदला। दिल्ली चुनाव ने दूरी और बढ़ाई और अब तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी शुरू हों गई है। भाजपा की तरह कांग्रेस में भी कुछ लोग अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने की वकालत कर रहे हैं। कांग्रेस का भी आधार या स्वीकृति बढ़ी है लेकिन कोई एक या दो ठोस सामाजिक आधार नहीं है। मुसलमान समर्थक हैं लेकिन राजद साथ न हो तो उनका वोट मिलने का भरोसा नहीं है। संगठन कमजोर है और अगर कन्हैया कुमार और पप्पू यादव जैसे उत्साही उसके पास हैं तो लालू-तेजस्वी उनको जमीन देने को तैयार नहीं हैं। लालू जी ने पिछले लोकसभा चुनाव में अहीरों को काम टिकट, कोइरी समाज को ज्यादा टिकट और वाम दलों समेत सारे विरोधियों को साथ लेकर अच्छी टक्कर दी लेकिन पहले दो राउंड के बाद भाजपा फिर से जंगल राज का शोर मचाकर बाजी पलट दी। इस बार यह शोर पहले से मच रहा है।

कुछ खास...

दक्षिणपंथी वैचारिकी के दो रूप

ये हैं तो दो अलग-अलग परिघटनाएं जिनका एक-दूसरे से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं दिखता, परन्तु दोनों से ही दक्षिणपंथियों की विचारधारा और सरकार की कार्यपद्धति का पता चलता है। एक का सम्बन्ध विनायक दामोदर सावरकर के वंशजों से है तो दूसरा एक ऐसे डीन की नियुक्ति के बाबत है जो महात्मा गांधी के हत्यारे पर गर्व करती है तथा उसे देश को बचाने वाला मानती है। दोनों घटनाएं यह भी बतलाती हैं कि ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के निजी प्रयासों तथा राज्य-समर्थित सांस्थानिक कृत्यों द्वारा भारत को किस दिशा में ले जाया जा रहा है। पहले बात करें अंग्रेजों की जेल से माफी मांगकर छूटने वाले सावरकर की! कांग्रेस राहुल गांधी ने मार्च, 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान बतलाया था कि सावरकर ने एक मुस्लिम व्यक्ति पर कथित तौर पर श्हमले को आनंददायकश कहा था। इसे लेकर उनके वंशजों में से एक सात्यकि अशोक सावरकर ने पुणे की विशेष सांसद-विधायक कोर्ट में राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया था। 19 फरवरी को इसकी पेशी थी लेकिन राहुल को अदालत ने उपस्थिति की छूट दी थीय परन्तु अब उन्होंने मामले की सुनवाई श्समरी ट्रायलश की बजाये श्समन ट्रायलश के रूप में करने की मांग की है ताकि वे सावरकर से सम्बन्धित ऐतिहासिक सबूत एवं दस्तावेज रिकॉर्ड के लिये पेश कर सकें। लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ मामला दायर करने वाले सात्यकि ही नहीं बल्कि सावरकर के परिवार एवं उनकी विचारधारा को मानने वाले सभी व्यक्तियों-संगठनों के लिये यह परेशान होने का पर्याप्त कारण है क्योंकि इस सच्चाई से वे स्वयं भी अवगत हैं कि सावरकर को जब अंग्रेजों ने पोर्ट ब्लेयर (अंडमान-निकोबार) की सेलुलर जेल में कालेपानी की सजा देकर रखा था तब उन्होंने छूटने के लिये लगभग एक दर्जन माफीनामे लिखे थे। इतना ही नहीं, रिहा होने के बाद उन्हें अंग्रेजों द्वारा हर माह 60 रुपये की पेंशन भी दी जाती थी। इसे भी बढ़ाने की वे दरख्वास्त करते रहे। इसके बाद वे जब तक जीवित रहे, उन्होंने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मुंह नहीं खोला था। सावरकर को लेकर तभी से विवाद जारी हैं जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में बनी है। पूरी भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अन्य सहयोगी संगठन सावरकर का महिमा मंडन करते नहीं अघाते, बावजूद इसके कि कई मुद्दों पर उनके विचार अलग थे। मसलन, सावरकर गाय को अन्य पशुओं की ही तरह मानते थे। आजादी के बाद निष्क्रिय जीवन बिताने वाले सावरकर को लोगों ने एक तरह से भुला दिया था। थोड़े से लोग हैं जो उन्हें श्वीरश या श्क्रांतिकारीश जैसे शब्दों से नवाजा करते हैं। जब उनके चरित्र को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना शुरू किया गया तो दूसरी ओर उनकी असलियत भी सामने आने लगी। अधिकतर लोगों को उनके माफीनामे तथा पेंशन के बाबत भी इसी दौरान ज्ञात हुआ। उनका कृत्रिम आभामंडल अज्ञात, अल्पज्ञात या छिपाये गये तथ्यों के सामने आने से ध्वस्त हो गया। इसलिये सावरकर परिवार नहीं चाहता कि राहुल गांधी अपने बचाव में वे सारे ऐतिहासिक तथ्य कोर्ट के सामने रख दें जो संग्रहालयों, लाइब्रेरियों, शोध ग्रंथों, लेखों, इतिहास की किताबों आदि में दर्ज हैं। सावरकर परिवार के लिये उन्हें नकारना मुश्किल होगा क्योंकि जवाब में उन्हें वे तथ्य झूठे साबित करने होंगे जो कि सम्भव नहीं है। खतरा यह है कि थोड़े-बहुत लोग जो वस्तुस्थिति से नावाकिफ हैं, वे भी अवगत हो जायेंगे। इसलिये समन ट्रायल का विरोध जायज है। उनके वकील एसए कोल्हटकर ने कहा कि राहुल मुद्दे से ध्यान भटका रहे हैं ताकि मामला खींचा जा सके। उन्होंने ध्यान दिलाया कि कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि के कई मामले चल रहे हैं।

बिखरी जुल्फें और कजरारी आंखें..

मॉम-टू-बी कियारा आडवाणी का स्टनिंग फोटोशूट, ब्लैक ड्रेस और गोल्डन जूलरी में दिखा क्लासी लुक

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इस वक्त काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पति व एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा संग फैंस को मां बनने की गुड न्यूज दी, जिसके बाद उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। वहीं, इस गुड न्यूज की घोषणा से पहले मॉम-टू-बी कियारा ने गुरुवार रात मुंबई में एक इवेंट अटेंड किया, जहां वह अपने ग्लैमरस लुक का जलवा बिखरेती नजर आईं। इस लुक की तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान कियारा आडवाणी बेलेनसियागा का ब्लैक आउटफिट पहने बेहद स्टनिंग दिखीं। गोल्डन जूलरी के साथ अपनी ड्रेस को कियारा ने क्लासी टच दिया। वह गले में गोल्डन पेंडेंट और कानों में ईयररिंग्स पहने नजर आईं। कजरारी आंखें, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों के साथ कियारा ने अपना लुक कंपलीट किया और साथ ही हाई हील्स पेयर कीं। अपने इस लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए कियारा कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आईं। कई तस्वीरों में वह खुद का मेकअप भी करती दिखीं। बता दें कि कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी 2023 को सिद्धार्थ मल्होत्रा संग राजस्थान के जैसलमेर में शादी रचाई थी। परिवार के सदस्य और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में दोनों की वेडिंग धूमधाम से हुई थी। वहीं, अब शादी के 2 साल बाद ये कपल मम्मी-पापा बनने जा रहा है।

कियारा सिद्धार्थ के घर गूंजेगी नन्ही किलकारी

कपल ने पोस्ट शेयर कर दी गुड न्यूज

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा पैरेंट्स बनने जा रहे हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की है।

जी हां, शादी के करीब दो साल बाद कियारा आडवाणी ने फैंस के साथ खुशखबरी साझा की है कि वे मां बनने वाली हैं। दोनों एक साथ सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी फोटो पोस्ट करके यह बताने वाले हैं कि वे पैरेंट्स बनने जा रहे हैं। इस खबर के बाद से उनके फैंस भी काफी खुश और एक्साइटेड हैं। सिद्धार्थ और कियारा ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी फोटो शेयर की, जिसमें दोनों हाथों में बेबी के सॉक्स पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है, हमारे जीवन का सबसे खूबसूरत तोहफा। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और लोग कपल को ढेर सारी बधाइयाँ दे रहे हैं। यह खुशखबरी कियारा और सिद्धार्थ ने शादी के लगभग दो साल बाद दी है। दोनों ने 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर में अपने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में शादी की थी। उनकी शादी ने भी सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोरी थीं, और उनकी शादी की तस्वीरें भी वायरल हुई थीं। कियारा और सिद्धार्थ की पोस्ट पर अब तक हजारों कमेंट्स और बधाइयां आ चुकी हैं। उनके फैंस इस खबर से बेहद खुश हैं और कपल के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं भेज रहे हैं। अब सभी कियारा और सिद्धार्थ के पैरेंट्स बनने के इस नए अध्याय की शुरूआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 2024 में कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के घर में किलकारी गूंज चुकी है। इस लिस्ट में दीपिका पादुकोण, यामी गौतम, द्रष्टि धामी, युविका चैधरी और ऋचा चड्ढा जैसे नाम शामिल हैं। अब सभी की नजर कियारा और सिद्धार्थ पर टिक गई है, और फैंस इस नए और खूबसूरत सफर की शुरूआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कोई इतना खूबसरत कैसे... बेटियों संग सुष्मिता सेन का फोटोशूट, 49 साल की एक्ट्रेस की ब्यूटी पर फिदा हुए लोग

जब भी सबसे सुंदर क्लास टीचरों की बात करें तो 2004 में आई फिल्म मैं हूं ना की मिस चांदनी की याद जरूर आती है। सुष्मिता सेन साड़ी पहन दिखी अदाएं सबको दीवाना बना गई थीं। अब एक बार फिर सुष्मिता सिल्की बालों को लहराती और साड़ी को बेहद खूबसूरती से कैरी कर लोगों का दिल चुरा लिया। दरअसल, हाल ही में जयपुर में हुई फैमली वेडिंग में सुष्मिता पहुंची थी। इस शादी से सुष्मिता ने अपनी बेटी संग कुछ तस्वीरें शेयर की है। शादी में 49 साल की सुष्मिता ने अपनी साड़ी वाले ब्यूटीफुल लुक से समा बांध दिया। सुष्मिता सेन की साड़ी बेज और ग्रे ड्यूल शेड में थी। वहीं इसके पल्लू में पीले और नारंगी रंगों का सुंदर ओम्ब्रे इफेक्ट था जो इसे मल्टी-कलर लुक दे रहा था। सुष्मिता ने इस साड़ी के पल्लू को कंधे से गिरते हुए फ्लोर-स्वीपिंग ट्रेन लुक में पहना। साड़ी के साथ सुष्मिता ने एक कॉन्ट्रास्टिंग पर्पल ब्लाउज पहना था जिसमें फुल-लेंथ चूड़ीदार स्लीव्स, डीप वी-नेकलाइन, बैकलेस डिजाइन, फिटेड सिलुएट और डोरी टाई के साथ टैसल एंबेलिशमेंट्स थे। लुक को और ग्लैमरस बनाने के लिए सुष्मिता ने मल्टी-कलर्ड स्टोन्स और पर्ल्स से जड़ा एक खूबसूरत चोकर नेकलेस, पियर-ड्रॉप ईयररिंग्स, स्टेटमेंट रिंग्स और गोल्ड कुंदन कड़े पहने। मेकअप की बात करें तो उन्होंने स्मोकी ब्राउन आईशैडो, विंग्ड आईलाइनर, घनी आइब्रो, मस्कारा, फ्लश्ड चीक्स, ब्रॉन्जर और ग्लॉसी मौवे लिपस्टिक से अपना लुक पूरा किया। उन्होंने माथे पर एक छोटी सी बिंदी भी लगाई थी जिससे उनकी खूबसूरती और निखरकर आई। बालों को सेंटर पार्टिंग के साथ वेवी ब्लोआउट लुक दिया था। मिस यूनिवर्स रह चुकीं सुष्मिता सेन उम्र के इस पड़ाव पर

अब जाने का समय आ गया है... अमिताभ बच्चन ने बताया क्या थी इस ट्वीट को लिखने की मजबूरी

महानायक अमिताभ बच्चन के साथ लोगों का ऐसा लगवा है कि वह जब हंसते है तो फैन भी खुशी से झूम उठते हैं , वह जब उदास होते हैं तो उनके चाहने वालों के चेहरे पर भी मायूसी आ जाती है। पिछले दिनों अमिताभ बच्चन के एक पोस्ट ने फैन को काफी परेशान कर दिया था जिसमें उन्होंने जाने की बात कही थी। अब एक्टर ने ऐसा लिखने की वजह बताई है। बिग बी ने कुछ दिन पहले लिखा था-अब जाने का समय आ गया है। इसके बाद से उनके केबीसी शो और एक्टिंग से रिटायरमेंट को लेकर खबरें आने लगी। वहीं, कुछ लोगों को डर था कि ये उनके हेल्थ से जुड़ा भी हो सकता है। लोगों के मन में उठे इन सवालों का अब महानायक ने जवाब दिया है। दरअसल अमिताभ बच्चन जब केबीसी में पहुंचे तो वहां मौजूद ऑडियंस ने उनसे इस ट्वीट के पीछे की वजह पूछी। ऐसे में उन्होंने इस पर सस्पेंस खत्म करते हुए कहा कि-हां, टाइम टू गो. इसमें कुछ गड़बड़ी है क्या ? तभी उन्होंने कहा कि उसमें एक लाइन था जाने का समय है।

टीजर ने धमाल मचा दिया है और सिकंदर की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सलमान खान की मास मसाला एंटरटेनर इस ईद पर बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फिल्म पहले से ही 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है और यदि आप अभी तक आश्वस्त नहीं हैं, तो यहां 5 कारण हैं कि आपको सिकंदर क्यों देखना चाहिए। सलमान खान ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों जगह किंग हैं। सिकंदर उसे लोगों के चैंपियन के रूप में प्रस्तुत करता है, एक ऐसा व्यक्ति जो बुरी ताकतों से उनकी रक्षा करने में अजेय है। सलमान को एक बार फिर एक महान नायक की भूमिका निभाते हुए देखना आनंददायक होगा, जो अपनी प्रजा की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। एक्शन निस्संदेह सलमान खान की विशेषता है और सिकंदर इसे कुछ सबसे आश्चर्यजनक और पावर-पैक एक्शन दृश्यों के साथ एक अलग स्तर पर ले जाता है, जो प्रशंसकों को उनकी सीटों के किनारे पर लाने के लिए पूरी तरह से तैयार किया गया है। एक्शन पर अपनी सहज पकड़ के साथ, सलमान खुद का एक ताजा और उत्साहवर्धक संस्करण स्क्रीन पर लाते हैं। ए आर मुरुगादोस के विशेषज्ञ निर्देशन में, दर्शकों को एक रोमांचक यात्रा का अनुभव होगा जिसमें सलमान को पहले जैसा कभी नहीं दिखाया जाएगा। सिकंदर सलमान खान और रश्मिका मंदाना के बीच पहली बार एक रोमांचक सहयोग का प्रतीक है। भाईजान का बेजोड़ स्वैग और ऊर्जा के साथ रश्मिका का आकर्षक आकर्षण बॉलीवुड में सबसे सनसनीखेज जोड़ियों में से एक बनाने के लिए तैयार है। दोनों को स्क्रीन साझा करते और सिकंदर की धुन पर थिरकते देखना दर्शकों के लिए आनंददायक होगा ॥जनी और हॉलिडे ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी जैसी प्रतिष्ठित क्लासिक फिल्में बनाने वाले ए आर मुरुगादॉस का करियर सबसे शानदार रहा है।

महिला दिवस पर पार्टनर को कराएं खास होने का एहसास

महिला दिवस के मौके पर अपने जीवनसाथी को खास महसूस कराएं। ऐसा करने के लिए कुछ आसान से तरीकों को आजमा सकते हैं, जो आपकी जीवनसंगिनी के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए दुनियाभर में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने का मौका नहीं है, बल्कि उन्हें खास महसूस कराने का भी दिन है।

एक पुरुष के जीवन में उसकी साथी, पत्नी या प्रेमिका की भूमिका बहुत खास होती है, जो पुरुष को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसे में महिला दिवस के मौके पर अपने जीवनसाथी को खास महसूस कराएं। ऐसा करने के लिए कुछ आसान से तरीकों को आजमा सकते हैं, जो आपकी जीवनसंगिनी के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

सरप्राइज गिफ्ट दें

महिलाओं को सरप्राइज पसंद होते हैं। आप उन्हें उनकी पसंदीदा चीज तोहफे में दे सकते हैं। जैसे,

उनकी पसंद की किताब या ज्वेलरी

एक पर्सनलाइज्ड फोटो फ्रेम या कोलाज

उनके पसंदीदा ब्रांड के स्किन केयर उत्पाद

खास नोट या लेटर लिखें

पार्टनर के लिए अपने दिल की बात कागज पर लिखना सबसे खूबसूरत तरीकों में से एक है।

एक रोमांटिक नोट या हाथ से लिखा प्रेम पत्र देकर उन्हें बताएं कि वे आपके लिए कितनी महत्वपूर्ण हैं।

एक दिन उनके नाम

अगर आप हमेशा ही व्यस्त रहते हैं तो महिला दिवस पर सिर्फ उन्हें वक्त देने का वादा करें।

उनके साथ मूवी देखने जा सकते हैं।

बाहर डिनर की योजना बना सकते हैं।

लॉन्ग ड्राइव या वॉक पर जा सकते हैं।

काम में मदद करें

अगर आपकी पत्नी घर के कामों में व्यस्त रहती हैं तो इस दिन उन्हें थोड़ा आराम देने की कोशिश करें।

आप उनके लिए किचन का काम संभाल सकते हैं ।

उनका पसंदीदा खाना बना सकते हैं। घर की साफ-सफाई में मदद कर सकते हैं।

मोमबत्ती के बचे हुए मोम के इस्तेमाल से ठीक हो सकती हैं फटी एड़ियां, जानें कैसे ?

यदि बदलते मौसम की वजह से आपकी एड़ियां फटने लगी है, तो मोमबत्ती के बचे हुए मोम के इस्तेमाल से आप एड़ियों को ठीक कर सकते हैं।

मौसम बदल रहा है। ऐसे में इसका असर लोगों की त्वचा पर दिखाई दे रहा है। ज्यादातर लोग त्वचा के रूखेपन से परेशान है। हाथ-पैर के रूखेपन पर तो लोग ध्यान दे लेते हैं लेकिन जब बारी एड़ियों की आती है, तो ज्यादा किसी का ध्यान इस तरफ जाता ही नहीं है।

ऐसे में आज हम आपको एस ऐसी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से कुछ ही दिनों में आपके पैर मक्खन की तरह मुलायम हो जाएंगे।

इस टिप्स में आपको मोमबत्ती के बचे हुए मोम की जरूरत पड़ेगी। तो चलिए बिना देर किए आपको मोम से फटी एड़ियां सही करना बताते हैं, ताकि आपके पैर सही हो सकती हैं।

ऐसे करें एड़ियों को सही

फटी एड़ियों को सही करने के लिए सबसे पहले गुनगुने पानी में कुछ देर पैर डुबोकर रखें। इससे एड़ियों की डेड स्किन सॉफ्ट हो जाएगी। त्वचा को मुलायम करने के लिए अब किसी अच्छे स्क्रब की मदद से हल्के हाथों से एड़ियों को रगड़ें, ताकि डेड स्किन पूरी तरह से हट जाएगी।

अब बारी आती है मोम के इस्तेमाल की। मोम के इस्तेमाल के लिए आपको सबसे पहले मोम को पिघलाना है। इसके लिए एक छोटे पैन में मोम को धीमी आंच पर पिघलाएं।

इसे हल्का ठंडा होने दें ताकि यह ज्यादा गर्म न हो। अब इस गुनगुने मोम को अपनी फटी एड़ियों पर ब्रश या उंगलियों की मदद से लगाएं।

मोम सूखने के बाद पैरों को मोजे पहनकर रातभर छोड़ दें।

यह स्किन को रिपेयर करने में मदद करेगा। सुबह गुनगुने पानी से एड़ियों को धो लें और कोई मॉइस्चराइजर लगा लें।

मोम के इस तरह से इस्तेमाल से एड़ियां कोमल और मुलायम बनती हैं। इस नुस्खे को हफ्ते में 2-3 बार अपनाकर आप अपनी फटी एड़ियों को ठीक कर सकती हैं।

बार-बार हाथ-पैरों में झुनझुनी क्यों होती है? जानें कारण और बचाव के आसान उपाय

अगर आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के हाथों-पैरों में झुनझुनी महसूस होती है, तो यह किसी आवश्यक विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। विशेष रूप से, यह समस्या विटामिन बी12, विटामिन बी6 और विटामिन डी की कमी से जुड़ी हो सकती है।

1. विटामिन बी12 की कमी

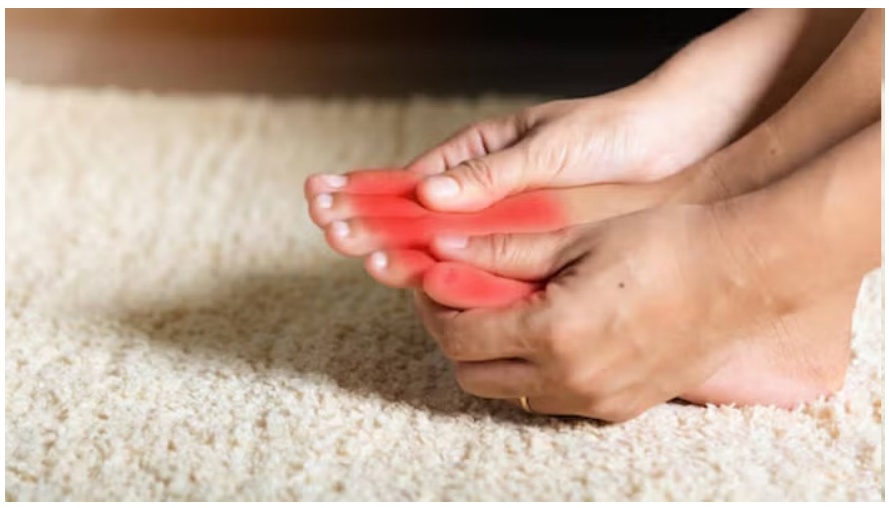

से, यह समस्या विटामिन बी12, विटामिन बी6 और विटामिन डी की कमी से जुड़ी हो सकती है।

हमारे शरीर में कई बार ऐसे बदलाव होते हैं, जिनका सही कारण बहुत से लोगों को नहीं पता होता। झुनझुनी भी इन्हीं में से एक आम समस्या है, जिसे लगभग हर किसी ने कभी न कभी अनुभव किया होगा। यह आमतौर पर लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठे रहने या हाथ-पैर दबे रहने की वजह से हो सकती है। हालांकि, इसकी असल वजह के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि शरीर में झुनझुनी होने के पीछे कौन-कौन सी वजहें हो सकती हैं और यह किन समस्याओं का संकेत हो सकता है।अगर आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के हाथों-पैरों में झुनझुनी महसूस होती है, तो यह किसी आवश्यक विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। विशेष रूप से, यह समस्या विटामिन बी12, विटामिन बी6 और विटामिन डी की कमी से जुड़ी हो सकती है।

यह तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

इसकी कमी से नसों में सूजन आ सकती है, जिससे झुनझुनी, कमजोरी और सुन्नपन महसूस हो सकता है।

स्रोतः दूध, दही, अंडे, मछली, चिकन, पनीर, फोर्टिफाइड अनाज।

2. विटामिन बी6 की कमी

यह शरीर में न्यूरोलॉजिकल कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में सहायक होता है।

इसकी कमी से हाथ-पैरों में झुनझुनी, चिड़चिड़ापन और कमजोरी हो सकती है।

स्रोतः केले, एवोकाडो, पालक, नट्स, साबुत अनाज, मीट और मछली।

3. विटामिन डी की कमी

यह हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

इसकी कमी से नसों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे झुनझुनी हो सकती है।

झुनझुनी दूर करने के उपाय

संतुलित आहार लें झ अपने भोजन में विटामिन बी12, इ6 और डी से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें।

धूप में समय बिताएं झ विटामिन डी की पूर्ति के लिए रोजाना 15-20 मिनट धूप लें।

नियमित व्यायाम करें झ ब्लड सकुर्लेशन सुधारने के लिए स्ट्रेचिंग और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं झ हाइड्रेटेड रहने से रक्त प्रवाह सही तरीके से बना रहता है, जिससे झुनझुनी की संभावना कम होती है।

डॉक्टर की सलाह लें झ अगर समस्या बनी रहती है, तो मल्टीविटामिन या विटामिन बी12 इंजेक्शन लेने के लिए डॉक्टर से सलाह लें।

अगर झुनझुनी की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह न्यूरोलॉजिकल या अन्य गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकती है। ऐसे में समय पर डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है।

इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

आरसीबी की हार का सिलसिला जारी, कप्तान गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने हासिल की जीत

एशली गार्डनर की अर्धशतकीय पारी से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को सात विकेट पर 125 रन पर रोकने के बाद गुजरात की टीम ने 16.3 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

एजेंसी

बेंगलुरु । कप्तान एशली गार्डनर की अर्धशतकीय पारी से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को सात विकेट पर 125 रन पर रोकने के बाद गुजरात की टीम ने 16.3 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। गार्डनर ने 31 गेंद में 58 रन की पारी में छह चैके और तीन छक्के जड़े। गार्डनर ने फोबे लिचफील्ड (नाबाद 30) के साथ चैथे विकेट के लिए 36 गेंद में 51 रन की साझेदारी कर मैच को आरसीबी की पकड़ से दूर कर दिया। आरसीबी की यह लगातार तीसरी हार है। आरसीबी के लिए रेणुका सिंह ठाकुर और जॉर्जिया वेरहैम ने दो-दो विकेट चटकाये। इससे पहले डिएंड्रा डॉटिन (31 रन पर दो विकेट) और बायें हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (16 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से गुजरात की टीम ने आरसीबी को उसके सबसे कम स्कोर के बराबरी पर रोक दिया। आरसीबी के लिए कनिका आहूजा (28 गेंदों पर 33 रन) और राघवी बिष्ट (19 गेंदों पर 22 रन) ने चैथे विकेट के लिए 37 गेंद में 48 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेथ मूनी और दयालन हेमलता ने शुरूआती ओवरों में संभल का बल्लेबाजी की। मूनी ने रेणुका के खिलाफ पहले जबकि हेमलता ने किम गार्थ के खिलाफ दूसरे ओवर में चैका लगाया। हेमलता को पांचवें ओवर में रेणुका की गेंद पर ऋचा घोष ने स्टंप किया। रेणुका ने अपने अगले ओवर में मूनी को वेरहैम के हाथें कैच कराकर दूसरी सफलता हासिल की। गर्डनर ने क्रीज पर आते ही चैके के साथ खाता खोला और नौवें ओवर में प्रेमा रावत के खिलाफ लगातार तीन चैके और एक छक्का जड़ ओवर से 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से लिचफील्ड ने वेरहैम, कनिका और स्नेह राणा के खिलाफ चैके लगाये। गार्डनर ने 16वें ओवर में वेरहैम के खिलाफ लगातार गेंदों में छक्के के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। वह हालांकि इसी ओवर में वेरहैम को कैच देकर पवेलियन लौट गयी। लिचफील्ड ने गार्थ के खिलाफ छक्का जड़ा और फिर वाइड गेंद से टीम को सत्र की दूसरी जीत मिल गयी। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर कप्तान स्मृति मंधाना (10 रन), डैनी वायट-हॉज (चार रन) और शानदार लय में चल रही एलिस पेरी (शून्य) को पावरप्ले के अंदर आउट होने से आरसीबी को बैकफुट पर धकेल दिया। पेरी ने अपनी पिछली चार पारियों में तीन अर्धशतक बनाए थे, जिसमें दो पारियां 80 रन से अधिक की थी। कनिका और राघवी ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच में वापसी करने की कोशिश की। कनिका ने लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा के खिलाफ लगातार गेंदों पर चैका और छक्का जड़ा। पारी के इस आठवें ओवर में 18 रन बनाये। कनिका ने अपनी पारी में एक चैका और दो छक्के जबकि राघवी ने एक चैका और एक छक्का लगाया। मेघना सिंह के खिलाफ लांग ऑन के ऊपर से लगाया गया उनका छक्का शानदार था।

श्रीलंका में भारत का परचम लहराने वाली अहमदाबाद की पूजा कुमारी को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

एजेंसी

सूरत,गुजरात। श्रीलंका में आयोजित कॉम्बैट कुश्ती की एशियन चैंपियनशिप में कॉम्बैट कुश्ती की गोल्ड मेडल विजेता पूजा कुमारी को सूरत में आयोजित ओपेन एशिया पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप के दौरान गुजरात पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेश पटेल एवं कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के चीफ पैटर्न हेमंत डोंगावकर तथा कॉम्बैट एसोसिएशन ऑफ गुजरात के महासचिव संतोष कार्णिक के द्वारा पूजा कुमारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा आगे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रोत्साहन हेतु हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया गया।

बताते चलें कि दिनांक 22,23,24 फरवरी को सूरत के दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में आयोजित ओपेन एशिया पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के अवसर पर गुजरात के अहमदाबाद निवासी पूजा कुमारी सिंह को कॉम्बैट कुश्ती में एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उक्त के क्रम में कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव संजय राय ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आने वाले भविष्य में जो भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करेंगे उन खिलाड़ियों को हर संभव मदद एवं प्रोत्साहन किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान मैच पर बारिश का साया

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अफगानिस्तान को लिए जीत जरूरी

एजेंसी

लाहौर। ग्रुप ए से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में सेमीफाइनल में जाने वाली दो टीमों की सीट पहले ही पक्की हो चुकी है। जबकि ग्रुप बी में मामला अभी भी फंसा हुआ है।

आज इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच टूनार्मेंट का बेहद अहम मुकाबला होने वाला है, क्योंकि इससे दोनों टीमों की किस्मत तय होनी है। एक तरफ अफगानिस्तान के पास ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचने का मौका है। वहीं कंगारू टीम भी इसे जीतकर सेमीफाइनल में एंट्री करना चाहेगी। लेकिन लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले इस मैच पर बारिश का साया है और रद्द होने की भी संभावना जताई जा रही है।

रद्द हो सकता है मैच

इस टूनार्मेंट में अब तक ऑस्ट्रेलिया की टीम 2 मैच खेल चुकी है। इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ उसे रोमांचक जीत मिली थी। तो वहीं, साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरा मैच बारिश की वजह रद्द हो गया था। कंगारू टीम इस तरह 3 अंक हासिल कर चुकी है और पॉइंट्स टेबल में 0.475 के नेट रन रेट के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं बात करें अफगानिस्तान की तो उसे अपने पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका के हाथों करारी शिकस्त मिली थी। दूसरे मैच में अफगानी टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इस तरह इस जीत के साथ उसके पास फिलहाल 2 अंक है और वो -0.990 के नेट रन रेट के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर बनी हुई है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही बाहर हो चुकी है और साउथ अफ्रीका की टीम 2 मैचों में 3 अंक और 2.140 के नेट रन रेट के साथ पहले नंबर पर है। सेमीफाइनल में जाने के लिए अफगानिस्तान की टीम को हर हाल में जीतना जरूरी है। तभी वो 4 अंक के साथ ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका से आगे निकल पाएगी। लेकिन मैच बारिश की भेंट चढ़ जाता है, तो दोनों टीमों को 1-1 अंक मिल जाएंगे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया 4 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा, जबकि अफगानिस्तान 3 अंकों के साथ टूनार्मेंट से बाहर हो जाएगा। क्योंकि साउथ अफ्रीका की टीम अपना आखिरी मैच हार भी गई तो उसका अंक अफगानिस्तान के बराबर होगा। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण उसे अगले राउंड में एंट्री मिल जाएगी।

कैसा है लाहौर का मौसम?

एक्यूवेदर के मुताबिक लाहौर में बारिश होने की 71: संभावना है। हालांकि, खेल शुरू होने से ठीक पहले टॉस के समय यानि करीब 2 बजे महज 20: संभावना है कि बारिश होगी। अफगानिस्तान के फैंस दुआ करेंगे कि मैच के समय मौसम पूरी तरह साफ रहे। ताकि उनकी टीम के पास मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका रहे। बता दें अफगानी टीम के पास ऑस्ट्रेलिया को वनडे वर्ल्ड कप 2023 के हार का बदला लेने का सुनहरा मौका है। हालांकि, वो टी20 वर्ल्ड कप 2204 में उसे एक बार मात दे चुकी है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने पेश किया 3.22 लाख करोड़ रुपये का बजट, कल्याणकारी योजनाओं पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश की गठबंधन सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए

शुक्रवार को कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित बजट पेश किया। इसमें किसानों को सालाना 20,000 रुपये देने, मछुआरों की वित्तीय राहत को दोगुना करने और 12वीं कक्षा तक के बच्चों को 15,000 रुपये देने के प्रस्ताव शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 3.22 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए 20,281 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए 8,159 करोड़ रुपये, पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 47,456 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए 5,434 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। केशव ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि सरकार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 15,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तल्लिकी वंदनम योजना शुरू कर रही है। इस योजना के दायरे में सरकारी और निजी, दोनों स्कूलों में कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चे आएंगे। उन्होंने कहा, चाहे हम किसी भी वित्तीय स्थिति में हों, हमारे किसानों को अन्नदाता सुखीभव योजना के तहत सालाना 20,000 रुपये मिलेंगे। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) की अगुवाई वाले गठबंधन ने 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले घोषित सुपर सिक्स योजनाओं के तहत 19 से 59 वर्ष की महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक सहायता, युवाओं के लिए 20 लाख नौकरियां या 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी सहायता देने और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा देने का वादा किया था। सुपर सिक्स के तहत हर स्कूल जाने वाले बच्चे को प्रति वर्ष 15,000 रुपये (तल्लिकी वंदनम), हर घर को तीन मुफ्त गैस सिलेंडर (दीपम-2) और हर किसान को 20,000 रुपये वार्षिक वित्तीय सहायता (अन्नदाता सुखीभव) देने की भी बात कही गई थी। केशव ने मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान मछुआरों के लिए वित्तीय राहत को दोगुना करके 20,000 रुपये करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री फडणवीस का बिजली क्षेत्र के लिए कम ब्याज पर कर्ज उपलब्ध कराने का आग्रह

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने केंद्र से उदय योजना को फिर से शुरू करने, ऊर्जा क्षेत्र के लिए सस्ती दर पर कर्ज उपलब्ध कराने, शुल्क हटाने और राज्य वितरक महावितरण को ब्याज मुक्त बॉन्ड जारी करने की अनुमति देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने बिजली वितरण कंपनियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने पर यहां साद्री गेस्ट हाउस में एक मंत्रिस्तरीय समिति की बैठक के दौरान ये मांगें कीं। फडणवीस ने कहा, ऊर्जा क्षेत्र को दक्षता में सुधार और लागत कम करने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

मुद्रास्फीति में नरमी से आरबीआई के लिए नीतिगत दर में कटौती को लेकर गुंजाइश बढ़ी : एनसीएईआर

एजेंसी

नई दिल्ली । मुद्रास्फीति के जनवरी महीने में कम होकर 4.3 प्रतिशत पर आने से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए नीतिगत दर में कटौती को लेकर गुंजाइश बढ़ी है। प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में यह कहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दर रेपो 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दी है। मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक अप्रैल में होनी है। समीक्षा में कहा गया है कि प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भी कुछ प्रमुख आंकड़े... विनिर्माण के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक, जीएसटी संग्रह और वाहन बिक्री अर्थव्यवस्था में बदलाव के संकेत दे रहे हैं। शोध संस्थान ने कहा कि सकल और शुद्ध रूप से जीएसटी संग्रह में पिछले महीने क्रमशः 12.3 प्रतिशत और 10.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। जबकि दिसंबर, 2024 में इसमें क्रमशरू 7.3 प्रतिशत और 3.3 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई थी। एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, मुद्रास्फीति में कमी (सकल मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत) ने आरबीआई के लिए नीतिगत मोर्चे पर गुंजाइश बना दी है। कृषि क्षेत्र में भी मजबूती दिख रही है, जो मुद्रास्फीति नियंत्रण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि एक अन्य कारक जिस पर नजर रखने की जरूरत है वह है एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) की लगातार पूंजी निकासी।

बाजारों पर दिखने लगा रंगों के त्योहार का असर

लखनऊ (संवाददाता)। होलिकोत्सव में अभी भले ही थोड़ा वक्त है लेकिन त्योहार का असर बाजारों पर साफ दिखने लगा है। मेहमानों के खानपान के लिए आइटमों की खरीद शुरू हो गई है। जिन लोगों के पास समय कम है उनके लिए रेडीमेड बाजार तैयार है। कचरी, पापड़, चिप्स के बाजार से पर्व की शुरूआत करते हैं। ज्यादातर लोगों ने इमरती का स्वाद मिष्ठान के रूप में ही चखा है यानी मीठी इमरती। लेकिन इस बार बाजार में नमकीन इमरती की धूम है। चावल के आटे और साबूदाना से बना यह नमकीन ग्राहकों को खूब भा रहा है। इसके अलावा सेहत के लिए मोटे अनाज के बनाए गए रेडीमेड आइटम भी बाजार में खूब हैं। स्माइली चिप्स का स्वाद लीजिए और नाम के अनुरूप स्माइल कीजिए। अमीनाबाद, रकाबगंज, सिटी स्टेशन, सुभाष मार्ग, हजरतगंज समेत शहर के सभी प्रमुख बाजारों में कई प्रकार के चिप्स हैं। सागो लच्छा, कार्न बॉल, फूल पापड़, स्टार चिप्स, लहसुन हरी मिर्च चिप्स, प्याज चिप्स, पापड़ चिप्स, साबुदाना चिप्स, मक्के मसाला चिप्स, लहसुन चिप्स यह चिप्स साबूदाना, चावल और आलू के फ्लेवर में उपलब्ध है। सरदार जी पापड़ वाले के मालिक जसप्रीत सिंह जस्सी ने बताया कि कचरी की कई वैरायटी है जिसे लोग अभी से खरीदने आ रहे है। सागो लच्छा की मांग भी ज्यादा है यह 300 रुपये किलो है। ज्यादा मांग मक्का मसाला चिप्स की है। यह सभी चिप्स 150 रुपये से लेकर 300 रुपये प्रति किलो तक की कीमत पर उपलब्ध हैं। बाजार में कचरी साबूदाना, लहसुन मसाला, सादी फूलबाड़ी, जलेबी, मसाला करेला, जीरा, अजवाइन आदि फ्लेवर में उपलब्ध है। जसप्रीत सिंह बताते हैं कि कचरी की तमाम वैरायटी हैं। 300 रुपये किलो तक हैं। बाजार में 3डी की चिप्स की मांग ज्यादा है। एक तो वह कीमत में कम हैं साथ ही आकर्षक और वजन में ज्यादा चढ़ते हैं। इससे ग्राहकों का रुझान इन छोटे आइटम की ओर अधिक है। इसमें कई वैरायटी है जो तमाम रंगों में भी उपलब्ध है। यह 3डी साबूदाना और चावल से निर्मित होता है। यह 100 रुपये से लेकर 280 रुपये तक है। सामान्य पापड़ तो आमतौर पर लिया ही जाता है लेकिन इन दिनों बाजार में आए तिरंगा पापड़ की डिमांड ज्यादा है। इसी के साथ फूल पापड़, आलू मसालेदार पापड़ के भी खरीदारी करने लोग आ रहे है। चावल, साबूदाना इमरती को भी लोग पसंद कर रहे है। पापड़ का मूल्य 150 से लेकर 320 रुपये तक है।

अल-फलाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ सम्मेलन और पुरस्कार समारोह का किया आयोजन

गोरखपुर। विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर गोरखपुर के ब्लैक हॉर्स होटल में इंटरनेशनल एनजीओ कॉन्फ्रेंस और पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस

अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक अफरोज अहमद प्रबंधक अल-फलाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया कि विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न संस्थाओं को एक साथ एक मंच पर आमंत्रित करना एवं एक दूसरे के आपसी सहयोग से समाज में कुशल नेतृत्व के लिए कार्य करना है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथिगण में राजेश मणि, डॉक्टर सौरभ, नरेंद्र प्रताप सिंह, सुमित्रा कौशल एवं चीफ गेस्ट चारु चौधरी के मुख्य अतिथि महेश उमर विशिष्ट अतिथि में डॉक्टर ए समीम खान अनिल तुलाधार प्रद्युम्न कुमार मिश्रा डॉक्टर रहमत अली पूजा गुप्ता आदि उपस्थित थे मीडिया पार्टनर्स में मित्रम टुडे अरुशान न्यूज राजधानी टाइम्स लाइव मीडिया समाचार टाइम्स ,सजग सर्वजन न्यूज आदि विशेष रूप से सहयोग किया एसोसिएट पार्टनर्स में प्लैनेट मेडिएबल हॉस्पिटल सेवा फाउंडेशन अल फलाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी एवं इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से रामेश्वर मिश्रा सिराज कुरैशी,रामकृष्ण मणि त्रिपाठी,मोहम्मद आकीब अंसारी,सुनील मणि त्रिपाठी,सुशील कुमार सिंह अतिथि को सम्मानित विभिन्न सोशल हेल्प ग्रुप के संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश पर कसा तंज

लखनऊ (संवाददाता)। विधानसभा बजट सत्र के दौरान कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश पर जुबानी हमला बोलते हुए बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का भविष्य अंधकार में है। समाजवादी पार्टी की नाव में बड़ा छेद है जो भी उस नाव में सवार हैं वह लोग भागने की तैयारी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी समाप्त वादी पार्टी की तरफ आगे बढ़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी की हो रही जनसभा को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन तीन नही तीस तीस सभाएं कर ले अभी उसका खाता भी खुलने वाला नहीं है। आम आदमी पार्टी ने ईमानदारी के नाम पर कितनी बेईमानी की है सब जानते है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध कितने भी पॉइंट तैयार करें लेकिन समाजवादी पार्टी का शासन काल और गुंडाराज सब ने देखा। जनता भाजपा के साथ है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा विपक्ष पूरी तरीके से डिरेल हो गया है। उपचुनाव में विपक्ष को जनता ने विपक्ष को नकार दिया है। आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव में एक बार बीजेपी की सरकार बनेगी।

समृद्ध भारत के निर्माण में राजेंद्र प्रसाद का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा: योगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने देश के पहले राष्ट्रपति भारत रत्न राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समृद्ध भारत के निर्माण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, महान स्वाधीनता सेनानी, देश के प्रथम राष्ट्रपति, संविधान सभा के अध्यक्ष, भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! योगी ने कहा मूल्यों और आदर्शों से सुवासित आपका संपूर्ण जीवन लोकतंत्र की पाठशाला है। समृद्ध भारत के निर्माण में आपके योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे।

इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रबंधक शोएब अहमद सोनी हुए सम्मानित

- समाज हित में काम करने वालों की अनदेखी नहीं कर सकते : अहमद नदीम खान
- गोल्ड फ्रेंड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयोजक अहमद नदीम खान के नेतृत्व में टीम ने बुकें भेंटकर किया सम्मानित

गोरखपुर। इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रबंधक शोएब अहमद सोनी को शिक्षा के क्षेत्र में किये गये सराहनीय योगदान के लिए गोल्ड फ्रेंड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयोजक अहमद नदीम खान के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा बुकें भेंटकर सम्मानित किया

गया। इस अवसर पर गोल्ड फ्रेंड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयोजक अहमद नदीम खान ने शोएब अहमद सोनी के शैक्षणिक और सामाजिक सरोकारों की प्रशंसा करते हुए कहा शोएब अहमद सोनी ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर अपने कार्यों को ही प्राथमिकता दिया है। ऐसे में समाज के लोगों का दायित्व बनता है कि ऐसे व्यक्तित्व के धनी का सम्मान कर हौसला अफजाई किया जाये। खान ने कहा कि समाज हित में काम करने वालों की अनदेखी नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शोएब अहमद सोनी एक दयालु और कृपालु व्यक्तित्व के मालिक हैं। उनका सम्मान सभी के लिए गर्व की अनुभूति करा रही है। इस मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद अकरम लारी, दिलशाद अहमद , ख्वाजा शमसुद्दीन, नदीम अहमद, हिफजुर्रहमान अजमल, फहीम अख्तर, इसरार अहमद, मेराज अहमद खान, गुलरेज अहमद, वसीक अहमद, मोहम्मद रजी आदि लोग मौजूद रहे।

यूपी में 12,325 बसें संचालित हो रहीं, गांवों को जोड़ने के लिए 1540 मार्गों का निर्धारण: दयाशंकर सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि वर्तमान में परिवहन निगम द्वारा राज्य में 12,325 बसें संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के असेवित (बस सेवा से पृथक) गांवों को (जोड़ने के लिए) सेवित किए जाने (बस सेवा से जोड़ने) के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1540 मार्गों का नवीन निर्धारण किया गया है। विधानमंडल के बजट सत्र के सातवें दिन विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान मंत्री सिंह सवालों का जवाब दे रहे थे। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अखिलेश के प्रश्न के उत्तर में दया शंकर सिंह ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम स्वामित्व की 9,373 बसें एवं 2,952 निजी क्षेत्र की अनुबंधित बसों को मिलाकर कुल 12325 बसें राज्य में संचालित हैं। उन्होंने बताया कि ये बसें उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र से ब्लॉक तहसील एवं जिलों को जोड़ते हुए बेहतर परिवहन सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के असेवित गांवों को सेवित किए जाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1540 मार्गो का नवीन निर्धारण किया गया है। इससे 28 हजार गांव जुड़ेंगे। इसके पहले समाजवादी पार्टी के ही सदस्य पंकज मलिक के प्रश्न के उत्तर में सिंह ने सदन को बताया कि प्रदेश में खराब जर्जर रोडवेज बसों के स्थान पर नई बसें संचालित करने की योजना है और जो अयोग्य बसें हैं और नीलामी की अन्य शर्तें पूर्ण करती हैं तो उन्हें बस बेड़े से पृथक करके नीलाम किया जाता है। नीलाम की जाने वाली बसों के प्रतिस्थापन के लिए अंश पूंजी से वर्ष 2023-2024 और 2024-25 में विभिन्न श्रेणी की कुल 6138 बसें खरीदी गई हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण नीना थापा स्कूल में किया गया

समाज कल्याण विभाग गोरखपुर के विशेष सहयोग से ओसवाल पब्लिकेशन द्वारा नीना थापा इंटर कॉलेज गोरखपुर को नि:शुल्क पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराई गई जिससे बच्चों द्वारा उनका उपयोग करके अपने शिक्षा के स्तर तथा गुणवत्ता में सुधार करके भविष्य में उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सके। यह कार्य विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ के के श्रीवास्तव तथा अन्य शिक्षकों की उपस्थित में समाज कल्याण विभाग अधिकारी श्री वशिष्ठ नारायण सिंह व उनके कर्मचारियों द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य डॉ केके श्रीवास्तव ने समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए यह आशा व्यक्त की कि निश्चित रूप से इन पुस्तकों के माध्यम से छात्रों का भविष्य उज्जवल होगा।

अपनी औषधि संपदा की बदौलत भारत था विश्व गुरु : प्रो. एनके दुबे

इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रबंधक शोएब अहमद सोनी ने आये हुए आगंतुकों का स्वागत कर स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया

गोरखपुर। इस्लामिया एजुकेशनल सोसाइटी बक्शीपुर के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के आचार्य एन के दुबे एवं दुसरे वक्ता के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के आचार्य वीना बत्रा कुशवाहा और इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रबंधक शोएब अहमद सोनी उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वनस्पति विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य एनके दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम अपने पुराने पारंपरिक औषधि ज्ञान के द्वारा अपने शरीर को स्वस्थ रखते थे। भारत में तरह-तरह के औषधीय पौधे पाए जाते हैं और हम इनके प्रयोग से बहुत सारी औषधीयां तैयार करते हैं। हमारे देश में आयुर्वेदिक पद्धति का इतिहास लगभग 60 हजार साल पुराना है। तुलसी में वह गुण है, जो बीमारी को रोकने में सहायता देता है। परंतु 17वीं 18वीं शताब्दी में एंटीबायोटिक की खोज हुई। एंटीबायोटिक की गोली को मैजिक बुलेट का नाम दिया गया है, इससे ज्ञात हुआ है कि जो बीमारी 30 से 40 दिनों में समाप्त होती थी। एंटीबायोटिक गोली के द्वारा अब वह तीन-चार दिन में समाप्त होने लगी। इस प्रकार हम अपनी प्राकृतिक औषधियां से दूर हो गए। यदि भारत विश्व गुरु था तो वह अपनी औषधि संपदा की बदौलत। हमें अपनी औषधि संपदा को बचाना भी होगा और नई पीढ़ीयों तक पहुंचाना भी होगा। प्रथम सत्र की दूसरी वक्ता गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के जीव विज्ञान के आचार्य वीना बत्रा कुशवाहा ने बताया कि कोशिकाओं में ऑक्सीकरण-कमी प्रतिक्रियाओं और रेडॉक्स वातावरण को संतुलित रखने की प्रक्रिया को रेडॉक्स होमियोस्टेसिस कहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में ऑक्सीडेशन और रिडक्शन दोनों की प्रक्रिया होती है। जब से ऑक्सीजन इस धरती पर आया और ऑक्सीजन के वातावरण के अनुकूल जीव जंतु आए। तब से ऑक्सीजन का प्रयोग आरंभ हो गया। वातावरण में भी ऑक्सीडेशन और रिडक्शन की प्रक्रिया चलती रहती है इन सब का आपस में संबंध होता है जो प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखते हैं। प्रथम सत्र के कार्यक्रम का संचालन पूजा श्रीवास्तव ने किया। दूसरे सत्र में क्षेत्रीय चिकित्सा शोध केंद्र गोरखपुर के निदेशक डॉ. हरिशंकर जोशी ने कहा कि एक समय था कि पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस का केस बहुत अधिक थे। परंतु सरकार की जागरूकता से इस पर काबू पाया जा सका है। उन्होंने बताया कि इसका कार्य क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश था। सरकार ने इंसेफेलाइटिस की रोकथाम के लिए जो पहल की है उससे कहीं आवश्यक यह है कि हम स्वयं जागरूक हो तभी हम पूरी तरह सुरक्षित रह सकते हैं। कार्यक्रम में आईआईटी बीएचयू बनारस के सहायक उप आचार्य डॉ. विनोद तिवारी ने शरीर में के विभिन्न अंगों में होने वाले दर्द और उसके निवारण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कैंसर में होने वाले दर्द के क्या कारण हैं और इसको किस तरह से रूका जा सकता है। तीसरे वक्ता के रूप में डॉ. स्मृति ओझा ने बताया कि एक समय था की हम औषिधि निर्यात में हम पिछे थे। लेकिन कोरोना काल के समय हम ने कोरोना का टीका तैयार किया और दूसरे देशों में निर्यात भी किया जो हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। इसी क्रम में इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बक्शीपुर गोरखपुर के प्रबंधक शोएब अहमद सोनी ने आए हुए आगंतुकों का स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्राम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सोनी ने कहा कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में विभिन्न विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। साथ ही शोध छात्रों ने विभिन्न विषयों पर जो शोध पत्र प्रस्तुत किये, वो अन्य छात्रों के भविष्य के निर्माण में में मील का पत्थर सबित होगा। उन्होनें कालेज के शिक्षक एवं कर्मचारीगण के सहयोग के लिए अभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शीरीन परवेज ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. शाहिद जमाल, डॉ राहुल मिश्रा, डॉ. विश्वजीत सिंह, डॉ. डीएन मिश्रा, शरजील लारी के अतिरिक्त इस्लामियॉ कालेज आफ कामर्स तथा ताहिरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज गीडा गोरखपुर के समस्त अध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मानव अधिकार संगठन सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों की मासिक बैठक सम्पन्न

गोरखपुर, दीवान बाजार कार्यालय पर मानव अधिकार संगठन सेवा ट्रस्ट के संरक्षक अजीज रिजवी के अगवाई में मासिक बैठक की गई। जिसमें प्रस्ताव रखा गया कि रजिस्ट्रेशन फॉर्म भर के आई. कार्ड. के लिए अप्लाई करना अनिवार्य है। उपस्थित सभी पदाधिकारी ने रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरा और आई. कार्ड. के लिए अप्लाई किया, साथ ही साथ मानव अधिकार संगठन सेवा ट्रस्ट पदाधिकारी ने यह निर्णय लिया कि आने रमजान, होली, ईद पर संगठन द्वारा सराहनीय कार्य किया जाएगा। संगठन के मासिक बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद रजी संरक्षक अजीज रिजवी, डॉ. रशीद ,डॉक्टर तबरेज, सुशील सिंह,सुनील मणि त्रिपाठी ,मिर्जा मेहदी हसन, एतेकाद अहमद वारसी, आफताब अहमद, मुन्ना भाई, शादाब खान, विजय आनंद, रियाजुद्दीन खान, मोहम्मद अहमद अंसारी आदि उपस्थित रहे ।शानदार मीटिंग करने के लिए संगठन के संरक्षक अजीज रिजवी और सभी संगठन के पदाधिकारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद रजी बहुत-बहुत बधाई दिया।

डाक विभाग के निजीकरण के विरुद्ध कर्मचारियों को जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। चीफ पोस्ट मास्टर जनरल उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित कार्यालय पर राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ और अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ के संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर

ग्रुप सी, पोस्टमैन और जीडीएस संवर्ग के प्रदेश के गोरखपुर देवरिया बस्ती गोंडा के कर्मचारियों के साथ RMS एवं लखनऊ जीपीओ के समस्त कर्मचारियों ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों तथा पोस्ट ऑफिस एक्ट 2023 के द्वारा डाक विभाग का निजीकरण किए जाने की साजिश का जोरदार विरोध किया और विभाग के निजीकरण को तत्काल रोकने , पुरानी पेंशन योजना को लागू करने आठवें वेतन आयोग का तत्काल गठन करने और AIPEU की मान्यता को बहाल करने सहितअपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया। FNPO फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल शिवाजी वासी रेड्डी की अध्यक्षता में तथा NFPE के पदाधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ के गोरखपुर के क्षेत्रीय सचिव अरविन्द कुमार सुमन और मंडलीय सचिव आनन्द सिंह ने कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए सरकार की दोहरी नीतियों का घोर विरोध करते हुए आज के एकदिवसीय धरना प्रदर्शन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए आगामी 03 मार्च को नई दिल्ली जंतर मंतर मैदान पर एकत्रित होकर देशव्यापी हड़ताल परजाने का संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए समस्त कर्मचारियों सहित देवरिया गोंडा बस्ती के मंडलीय सचिवों अनिल कुमार मल्ल, सत्येंद्र सिंह एवं संत शर्मा ने भी ध्वनिमत से समर्थन और सहयोग का संकल्प लिया।

ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के पदाधिकारियों ने ली समाजसेवा की शपथ

- समाज सेवा के क्षेत्र में खरा उतरते की आवश्यकता है : लड्डन खान
- समाज सेवा में सभी को कार्य करने के लिए आत्मनिर्भर रहने की जरूरत है : डा. मुश्ताक अली
- लोगों की भलाई और सहयोग में निरंतर ऑल इण्डिया उर्स कमेटी अग्रसर रहेगी : नबीउल्लाह अंसारी

गोरखपुर। ऑल इण्डिया उर्स कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह का कमेटी के अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयशा हार्ड केयर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर मुश्ताक अली ने समाजसेवा व दूसरो की सहायता करने की शपथ दिलवाई। साथ ही कार्यक्रम के दौरान जाफरा बाजार शीश महल दरगाह के गद्दीनशीन सज्जाद अली रहमानी के कुरआन की तिलावत की। सिधारीपुर शहीद अब्दुल्लाह नगर स्थित एक हाल में ऑल इण्डिया उर्स कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुर्तजा हुसैन रहमानी ने किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए डा. मुश्ताक अली ने कहा कि कमेटी वर्षों से प्रदेश में सामाजिक कार्य कर रहीं है। जिसमें कमेटी ने दरगाहों, खानकाहों और कई सामाजिक कार्यों को संचालित किया है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा में सभी को कार्य करने के लिए आत्मनिर्भर रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आगे भी कमेटी इसी तरह की समाजसेवा का कार्य करती रहेगी। इस मौके पर कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान ने कहा कि कमेटी के पदाधिकारी समाज में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी को सारे मतभेद को भूलकर समाजसेवा के क्षेत्र में कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों को समाज सेवा में कार्य करने की जो शपथ दिलायी गयी है, उस पर खरा उतरते की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद नबीउल्लाह अंसारी ने कमेटी के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि ऑल इण्डिया उर्स कमेटी अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए लोगों की भलाई और सहयोग में निरंतर अग्रसर रहेगी। उन्होंने कहा कि कमेटी को मेरी जहां आवश्यकता पड़ेगी, वहां मैं हर तरीके से हाजिर रहूंगा। समारोह को कारी मुख्तार अहमद, असरार आलम, कमर गनी, हाजी खुर्शीद आलम, गुलाम अली खान, महमूद अहमद अंसारी, मुहम्मद शमीम ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम के उपरांत कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अली खान ने अतिथियों और पदाधिकारियों को उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर हाफिज अब्दुर्रहमान, रेहान मारुफी, सज्जाद अली रहमानी, महफूज आलम, मुहम्मद अहमद, मुहम्मद दिलशाद, मुहम्मद युनुस अंसारी, डा. मेराज आलम, अताउल्लाह मंसूरी, अहमद जुनेद, रमजान अली, गोलू, अख्तर आलम, मकसूद अहमद, गुड्डू, अफरोज खान, शरीफ अहमद खान, फैसल अंसारी, उस्मान खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजिस्टर्ड) का महाअधिवेशन का हुआ आयोजन

लखनऊ। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महाधिवेशन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन मुख्य अतिथि माननीय उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक के दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देवेंद मिश्र ने किया। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों एवं सात राज्यों के आए हुए पत्रकारों को माल्यार्पण, प्रशस्ति पत्र, बैग एवं पीत वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। गोरखपुर ईकाई से मंडल प्रभारी श्री बी. पी. मिश्र, जिला अध्यक्ष पंडित रामकृष्ण शरण मणि त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में सजग सर्वजन के संपादक श्री सुशील कुमार सिंह, एस. आई. न्यूज के संपादक श्री शक्ति सिंह, पूर्वांचल राज्य ब्यूरो चीफ श्री सुनील मणि त्रिपाठी शामिल हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री देवेंद्र मिश्रा , उपाध्यक्ष श्री उपेंद्र पाल सिंह , सचिव अवनीश कुमार गुप्ता, मीडिया प्रभारी श्री राजीव भारती, श्री निर्मल अस्थाना श्री सतेंद्र पांडेय, श्री पुष्पेंद्र शर्मा श्री मुकेश सिंह एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

Akash Anand's déjà vu moment: Who is Mayawati's nephew, sacked for the second time?

New Delhi | Akash Anand dropped as party's national coordinator and successor for the second time.Akash Anand dropped as party's national coordinator and successor for the second time. (File Photo) Lightning does not strike twice, as the popular idiom goes. But in Akash Anand's case it did on Sunday as his aunt and Bahujan Samaj Party (BSP) chief Mayawati dropped him as both the party's national coordinator and successor for the second time in as many years. Akash's second sacking came after the BSP chief claimed that his association with expelled BSP leader and former MP Ashok Siddharth, his father-in-law, led to him being removed from the post. "You are aware that Siddharth's daughter is married to him. We will have to watch how much influence Siddharth will exert on his daughter as well as Akash. In such a situation, Akash has been removed from all party responsibilities. Siddharth is completely responsible for this and has damaged the party while ruining Akash's career," Mayawati said in a statement after a meeting in Lucknow in which she announced her decision to replace Akash with his father Anand Kumar and Rajya Sabha MP Ramji Gautam. Mayawati said she would not announce a successor till she was alive. The BSP last month expelled Siddharth and another leader, Nitin Singh, for "anti-party activities". Akash was brought in to help stop the BSP's electoral slide but the party failed to have much of an impact in elections in Delhi in February, Haryana last year, and Rajasthan in late 2023. While in Haryana the party did not win any of the 35 seats it contested and saw its vote share fall by 2 percentage points to 1.86%, none of its 68 candidates won in the capital even as the party's vote share dipped to 0.57%, just over NOTA. In Rajasthan, the party won just two of the 184 seats it contested and saw its vote share drop two percentage points to 1.81%. In 2018, the party had won six seats but all the MLAs subsequently jumped ship to the Congress. The son of Mayawati's younger brother Anand Kumar, Akash did his schooling in Delhi and his MBA from London. He returned to India in 2017 and in May the same year, accompanied Mayawati to Saharanpur, where a Thakur-Dalit clash had occurred. In September 2017, a few months after the BJP came to power in UP in a massive victory, reducing the BSP to 19 seats, Mayawati formally introduced Akash to party workers. By the time of the 2019 Lok Sabha elections, Akash was playing an active role in the party and was credited with getting Mayawati to join social media platform X. When the Election Commission banned Mayawati from campaigning for 48 hours during the polls, Akash addressed his very first

rally, urging people to vote for the BSP and its then partners Samajwadi Party (SP) and Rashtriya Lok Dal (RLD). In a symbolism that was not lost, SP chief Akhilesh Yadav and then RLD president Ajit Singh joined Akash on the stage. Akash was first appointed BSP national coordinator following the 2019 Lok Sabha.

3 more bodies found, Uttarakhand avalanche toll goes up to 7; search on for 1 still missing

Dehradun | uttarakhand avalancheEight helicopters, including five from the Army, two from Air Force and one civilian helicopter hired by the Army, have evacuated all rescued persons from Mana Post to Joshimath Military Hospital. (PTI Photo) The Army said Sunday that three more bodies have been recovered and that one worker is still missing after an avalanche hit the site of a Border Roads Organisation (BRO) project in Uttarakhand's Chamoli district Friday. This takes the death toll from the incident to seven. There were 54 workers at the site when the avalanche hit. Lt Colonel Manish Srivastava said, "Search by the Army is in progress for the last man. Commander of the IBEX Brigade is at the site leading the rescue." The district administration had informed earlier in the day that one worker assumed to be missing had been at home in Himachal Pradesh and his family has confirmed that he is safe. It's not about idli-sambar. The real problem is visitors' lack interest in anything beyond Goa's beaches Kejriwal's hold on AAP weakening, can't even get a Rajya Sabha member to resign: Baghel SFI demands Bengal Education Minister Bratya Basu's arrest, says he tried to crush Jadavpur University students Eight helicopters, including five from the Army, two from Air Force and one civilian helicopter hired by the Army, have evacuated all rescued persons from Mana Post to Joshimath Military Hospital. The injured are undergoing treatment. Lt Colonel Manish Srivastava said, "Additionally, as the Army Commander, Central Command, said yesterday…, a drone-based 'intelligent buried object detection system' has been airlifted from Delhi and via Dehradun has reached Joshimath by MI-17 (a helicopter) to assist the ongoing search and rescue operations. An NDRF team of 17 persons has also reached Mana for assisting in rescue operations." Other equipment employed in the rescue operation by the Army include five quad copters and three mini drones. Two members of the Tiranga Mountain Rescue team and an avalanche rescue dog, named Robin, are also at the site.

Court directs registration of FIR on fraud complaint against former Sebi chief, BSE Chairman, top officials

Mumbai | former SEBI chief Madhabi Puri Buch FIRThe complaint sought direction for the ACB to register an FIR and conduct an investigation into alleged offences committed by the "proposed accused", including former Sebi chairperson Madhabi Puri Buch. (Express Archive Photo/ Sankhadeep Banerjee) A special court designated under the Prevention of Money Laundering Act on Saturday directed the Anti-Corruption Bureau (ACB), Mumbai, to register an FIR on a complaint of stock market fraud, regulatory violations and corruption against top Securities and Exchange Board of India (Sebi) and Bombay Stock Exchange (BSE) officials. "The allegations disclose a cognizable offense, necessitating an investigation. There is prima facie evidence of regulatory lapses and collusion, requiring a fair and impartial probe. The inaction by law enforcement and SEBI necessitates judicial intervention under Section 156(3) CrPC," the court held after perusing the material on record. The complaint sought direction for the ACB to register an FIR and conduct an investigation into alleged offences committed by the "proposed accused", including former Sebi chairperson Madhabi Puri Buch, three Sebi whole-time members, and BSE Chairman Pramod Agarwal and CEO Sundararaman Ramamurthy. The order was passed on an application filed by Sapan Shrivastava, a Dombivli resident who claimed to be a journalist, seeking direction for the police to register an FIR as per section 156(3) of the Code of Criminal Procedure (CrPC) and probe his allegations. The court directed the ACB to register the FIR under relevant provisions of the Prevention of Corruption Act, the Sebi Act, the Indian Penal Code and other applicable laws. Special Judge S E Bangar passed the order on Saturday on the application that alleged fraudulent listing of a company on the stock exchange with the alleged active connivance of regulatory authorities. Shrivastava claimed that he and his family had invested in shares of Cals Refineries Ltd on December 13, 1994, which was listed at BSE India, and that he had suffered huge losses. He alleged that Sebi and BSE neglected the crimes of the firm, listed it against the law, and failed to protect the interests of investors.

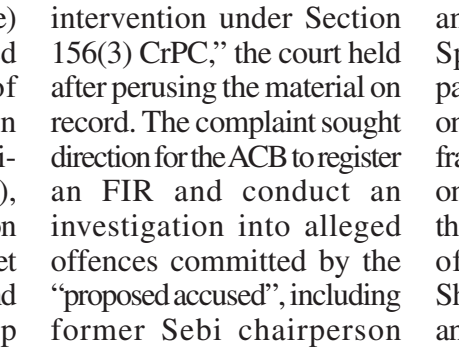

Pooja Kumari of Ahmedabad, who raised the flag of India in Sri Lanka, was honored with a citation

Surat, Gujarat. Pooja Kumari, the gold medal winner of combat wrestling in the Asian Championship of Combat Wrestling held in Sri Lanka, was honored with a citation by Dharmesh Patel, President of Gujarat Powerlifting Association, Hemant Dongavkar, Chief Patron of Combat Federation of India and Santosh Karnik, General Secretary of Combat Association of Gujarat, during the Open Asia Powerlifting Championship held in Surat. Pooja Kumari was assured of all possible support for encouragement while wishing her excellent performance at the international level and her bright future.""Let us tell you that on the occasion of the Open Asia Powerlifting Championship held at Deendayal Upadhyay Indoor Stadium in Surat on 22, 23, 24 February, Pooja Kumari Singh, a resident of Ahmedabad, Gujarat, was honored with a citation for winning the gold medal in the Asian Championship in combat wrestling."" In continuation of the above, National General Secretary of Combat Federation of India, Sanjay Rai told reporters that in the coming future, all the players who will participate at the international level will be given all possible help and encouragement.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।